रणथम्भौर के ज़ोन नम्बर-2 में शिकार को पकड़ने के चक्कर में दो टाइगर्स की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई। दोनों टाइगर एक सांभर को अपना शिकार बनाना चाहते थे। इस रोमांचक घटना ने रणथम्भौर भ्रमण करने आये पर्यटकों को बेहद गदगद कर दिया। रणथम्भौर में इन दिनों बाघों की बढ़ती संख्या के कारण उनमें टैरिटोरिअल फाइट की घटनायें काफी बढ़ गई हैं।

राजनाथ सिंह ने कांग्रेस सहित विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं को फोन किया

राजनाथ सिंह ने ममता बनर्जी, शरद पवार, मल्लिकार्जुन खड़गे व नवीन पटनायक से राष्ट्रपति उम्मीदवार के संबंध में मंत्रणा की

नई दिल्ली, 15 जून। राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा के लिए भाजपा ने बुधवार को विपक्षी नेताओं से संपर्क किया। बताया जा रहा है कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव से बात की। उन्होंने राकांपा प्रमुख शरद पवार और बसपा प्रमुख मायावती से भी बात की।

सूत्रों के मुताबिक, राजनाथ सिंह ने एनडीए की साथी जदयू से भी संपर्क किया। उन्होंने नवीन पटनायक को भी फोन लगाया। इस दौरान राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार पर सहमति बनाने को लेकर चर्चा हुई। इससे पहले भाजपा ने रविवार को राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसी के मद्देनहर राजनाथ सिंह ने खड़गे, बनर्जी और यादव सहित कुछ अन्य दलों के नेताओं से भी फोन पर बात की। राजनाथ सिंह से विपक्ष के नेताओं से बात ऐसे वक्त पर की है, जब विपक्ष की ओर से संयुक्त उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने के लिए दिल्ली में ममता बनर्जी ने एक अहम बैठक बुलाई थी। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी नेताओं ने राजनाथ सिंह से भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का नाम जानना चाहा। इससे पहले ममता बनर्जी की ओर से बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में बुधवार को कई दलों के नेताओं ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार को संयुक्त विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने एक बार फिर इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। सूत्रों के मुताबिक पवार द्वारा प्रस्ताव को ठुकराए जाने के बाद विपक्ष के संभावित उम्मीदवार के रूप में वरिष्ठ नेता फारूक अब्दुल्ला और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी के नाम भी सामने आये। इस बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नेशनल कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, नगा पीपुल्स फ्रंट, आजसू और निर्दलीय के नेताओं से बात की। वहीं, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने के लिए राजधानी दिल्ली में हुई विपक्ष की बैठक में बीजू जनता दल (बीजद), तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे प्रमुख क्षेत्रीय दलों की अनुपस्थिति से भाजपा ने राहत की सांस ली है। वहीं, राष्ट्रपति चुनाव के लिए बुधवार को 16वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया।

- बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा गजट अधिसूचना के बाद 11 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। दाखिल किए गए 11 नामांकनों में से एक नामांकन अधूरे दस्तावेजों के कारण खारिज हो गया।

एफ.आई.आर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरजेवाला ने दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने की मांग की। क्योंकि ये जबर्दस्ती भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मुख्यालय में घुस गए थे। उन्होंने कहा, यह "क्रिमिनल ट्रैसपास" है। हम उनके निलम्बन व उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरु करने की मांग करते हैं।

सुरजेवाला ने मांग की कि टी.वी. कैमरा को ई.डी. में आने दिया जाए और प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह खुद ई.डी. के साथ बैठकर राहुल गांधी से सवाल करे। सुरजेवाला ने कहा कि, देश को पता तो चले कि भाजपा के पास सिर्फ झूठा और फर्जी दुष्प्रचार है और राहुल के पूछने के लिए एक भी सवाल नहीं है।

रणथम्भौर में दो बाघों की आपस में जोरदार भिड़ंत

सवाई माधोपुर, 15 जून (निस)। रणथंभौर के जोन नंबर 2 में बुधवार को सुबह की पारी के दौरान सांभर के शिकार को लेकर दो टाइगर्स में भिड़ंत हो गई।

इन दोनों की भिड़ंत देखकर पार्क भ्रमण पर गए पर्यटक गदगद हो गए। भिड़ंत में टाइगर टी-120 योद्धा के भारी पड़ने पर बाघिन टी-84 एरोहेड शिकार छोड़कर चली गई। पार्क भ्रमण पर आए पर्यटकों ने अपने मोबाइल कैमरों में इस भिड़न्त का वीडियो कैद कर लिया। रणथंभौर में टाइगर्स की बढ़ती तादाद के कारण आए दिन इनके आपसी संघर्ष देखने को मिल रहे हैं।

रणथंभौर के टाइगर इससे पूर्व भी कई बार आपस में भिड़ चुके है। बाघिन टी 84 एरोहेड ने समर्पण कर दिया और शिकार छोड़कर वहां से चली गई। इसके बाद टाइगर टी-120 ने आराम से बैठ कर सांभर को अपना भोजन बनाया।

- दोनों टाइगर एक सांभर के शिकार को लेकर आपस में उलझ पड़े।
- इस लड़ाई में टाइगर-120 भारी पड़ गया और बाघिन को शिकार को छोड़कर वहां से निकलना पड़ा।
- पर्यटकों ने इस भिड़ंत की तस्वीरें अपने कैमरों में कैद कीं।

पवार राष्ट्रपति का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति 25 जुलाई को शपथ लेंगे। इस चुनाव के लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि 29 जून है। नाम वापसी की अंतिम तिथि 2 जुलाई है।

बुधवार की मीटिंग में 17 पार्टियों ने भाग लिया-यथा कांग्रेस, टी.एम .सी., सी.पी.आई., सी.पी.आई. (एम.), सी.पी.आई.एम.एल., आर. एस. पी., शिव सेना, एन.सी.पी., आर. जे. डी., एस.पी., नैशनल कॉन्फ्रैंस, पी.डी.पी., जे.डी. (एस), डी.एम. के., आर.एल. डी., आई.यू. एम. एल. और जे.एम. एम.। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जयराम रमेश और ए.आई.सी.सी. महासिचव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ मीटिंग में भाग लिया। लेकिन उन्होंने किसी का नाम प्रस्तावित नहीं किया। खड़गे को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मीटिंग में भाग लेने के लिए अधिकृत किया था। मीटिंग में आए नेताओं में टी.एम.सी. की ममता बनर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, शरद पवार, महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्लाह, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, डी. एम.के. के टी.आर.बालू, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और आर.जे.डी. के मनोज झा थे।

ई.डी. प्रमुख के कार्यकाल विस्तार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

मध्यप्रदेश की कांग्रेस नेता ने ई.डी. प्रमुख संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को गैरकानूनी बताया

नई दिल्ली, 15 जून (वार्ता) नेशनल हेराल्ड विवाद मामले में कांठोस के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पूछताछ के बीच महिला कांग्रेस की एक सदस्य ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल बढाने का आदेश रद्द करने की गुहार लगाई है।

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव जया ठाकुर ने अपनी याचिका में मिश्रा के कार्यकाल और केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) अधिनियम के विस्तार के लिए 17 नवंबर 2021 को पारित आदेश को रद्द करने का निर्देश देने की गुहार लगाई है।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रवर्तन एजेंसियों का दुरुपयोग करके लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रही है। याचिकाकर्ता का दावा है कि इसी वजह से मिश्रा का कार्यकाल गत वर्ष 17 नवंबर को बढा दिया गया था।

ठाकुर ने अपनी याचिका में कहा है कि मिश्रा की सेवानिवृत्ति नवंबर 2020 में होनी थी, लेकिन उनका कार्यकाल दो बार बढाया गया। याचिका में दावा किया गया है कि कार्यकाल समाप्त होने से मात्र दो दिन पहले नवंबर 2021 में कार्यकाल बढाया गया था।

ठाकुर ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ जांच का हवाला देते अपनी याचिका में कहा है कि केंद्र सरकार विरोधियों की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से पिछले 10 वर्षों से जांच कर रही है।

- याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि, केंद्र सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ई.डी. का दुरुपयोग करके लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रही है।
- याचिकाकर्ता का दावा है कि, इसी वजह से मिश्रा का कार्यकाल गत वर्ष 17 नवंबर को बढ़ा दिया गया था।

दिल्ली में सचिन पायलट सहित कांग्रेस विधायक हिरासत में लिए गए

जयपुर में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंका गया

जयपुर, 15 जून (का.प्र.)। दिल्ली में चल रहे आंदोलन में लगातार तीसरे दिन कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति रही। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित वरिष्ठ नेताओं को एआईसीसी मुख्यालय नहीं जाने दिया गया तो उनकी पुलिस से काफी बहस हुई।

इससे पहले सचिन पायलट समर्थकों और पुलिस के बीच काफी देर तक तनातनी की स्थिति रही। बाद में पायलट सहित एआईसीसी के सचिव कुलदीप इंदौरा, विधायक मुकेश भाकर, वेदप्रकाश सोलंकी, एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर नरेला थाने ले जाया गया। हिरासत के बाद सचिन पायलट ने कहा कि "हम अपनी पार्टी के दफ्तर जाना चाह रहे थे, कि हमें पार्टी मुख्यालय जाने से पहले ही डिटेन कर लिया गया। क्या हम अपने पार्टी मुख्यालय भी नहीं जा सकते, यह लोकतंत्र में गलत है। यह निंदनीय है। हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे। केंद्र सरकार तानाशाही पर उतर आई है, कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है।"

दिल्ली में पुलिस 2 दिन से कांग्रेस मुख्यालय में भी नेताओं-कार्यकर्ताओं के नहीं जाने दे रही है। राहुल गांधी से ईडी पूछताछ और एआईसीसी मुख्यालयों में पुलिस बल प्रयोग के खिलाफ अब कांग्रेस ने सभी राज्यों की राजधानियों में राजभवनों के घेराव का फैसला किया है। जयपुर में भी कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सिविल लाइंस फाटक पर प्रदर्शन और सभा करेंगे।

दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट व अन्य नेताओं को जब कांग्रेस मुख्यालय (नई दिल्ली) में प्रवेश करने से रोका तो दोनों पक्षों में काफी तनातनी की स्थिति बन गई। बाद में वहीं से पुलिस ने पायलट को हिरासत में ले लिया।

इसके बाद अगले दिन 17 जून को कांग्रेस की ओर से सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन होंगे।

इधर राजस्थान में राहुल गांधी पर ईडी के जरिए किए जा रहे जुल्म एवं तानाशाही के विरोध में जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष प्रताप सिंह खाचरियावास के निर्देशानुसार बुधवार को कलैक्ट्री सर्किल पर कांग्रेस महामंत्री एवं प्रवक्ता मनोज मुदगल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। मुदगल ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार महंगाई, बेरोजगारी तथा कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के पलायन जैसे बड़े मुद्दों से देश की जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है और विपक्ष के नेताओं पर बेवजह मुकदमे के जरिए ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स की छापेमारी करके इमरजेंसी जैसे हालात पैदा कर रही है। दुर्भाग्य है कि दिल्ली पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एआईसीसी के कांग्रेस दफ्तर जाने से रोक रही है, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऐसे नेता है जो मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ जनता की आवाज बुलंद कर रहे हैं।

- गुरूवार को सभी प्रदेशों में राजभवन घेरेगी कांग्रेस, 17 जून को जिला मुख्यालय पर होगा विरोध प्रदर्शन।

कलैक्ट्री सर्किल के प्रदर्शन में पार्षद बृजेंद्र तिवारी, उमेश शर्मा, अजहरुद्दीन सहित भीमराज प्रजापति, रूबी खान, शहीद तिरंगा, विनोद बुनकर, शादाब खान, दौलत सैनी, प्रदीप चौधरी, धर्मेंद्र शर्मा, सोनू बागवान, सुधांशु ढिल्लो, मानवेंद्र मानपुरा, अनिल खंडेलवाल, सुधीर शर्मा आदि सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी पूछताछ के विरोध में कांग्रेस की ओर से दिल्ली में जारी आंदोलन अब प्रदेशों की राजधानी से होता हुआ जिला स्तर पर शुरू होगा इसके तहत 16 जून को कांग्रेस सभी प्रदेशों के राजभवन घेराव का कार्यक्रम करेगी और 17 जून को जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन होगा।

श्रीलंका व पाकिस्तान की तरह ईरान भी कंगाली की कगार पर

ईरान की ईकॉनमी पस्त होने के कारण रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की कीमतें इतिहास के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई हैं

नई दिल्ली, 15 जून। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल और पाकिस्तान और अफगानिस्तान की इकॉनमी पस्त है। ये सभी भारत के पड़ोसी देशों में से हैं। ईरान की अर्थव्यवस्था भी डगमगाती दिख रही है।

बुनियादी वस्तुओं की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। इसी बीच ईरान के श्रम, कल्याण और सामाजिक मामलों के मंत्री होज्जतुल्ला अब्दुलमालकी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को देखते हुए होज्जतुल्ला को इस्तीफा देना पड़ा है।

ईरान में मुद्रास्फीति दर लगातार तेजी से बढ़ती जा रही और इसे लेकर इब्राहिम रईसी सरकार पर दबाव बढ़ना शुरू हो चुका है।

कई पेंशनभोगी लोगों ने पिछले कुछ दिनों में होज्जतुल्ला से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। ईरान परमाणु समझौते और अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर जारी गतिरोध के बीच ईराली रियाल की कीमत गिरकर नए निचले स्तर पर आ गई है।

ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होज्जतुल्ला के इस्तीफे के बाद से इब्राहिम सरकार की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। सरकार ने मोहम्मद हादी जाहेदी वफा को कार्यवाहक मंत्री बनाया है। रिटायर्ड लोगों के साथ ही शिक्षक, बस ड्राइवर और मजदूरों ने भी हाल के दिनों में बढ़ती महंगाई और सरकार की आर्थिक नीति को लेकर आलोचना की है। विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए ईरान के प्रमुख शहरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हाल के दिनों में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीटा है और उन पर आंसू गैस के गोले चलाए हैं। ईरानी अर्थव्यवस्था 2018 में बिगड़ने लगी जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने परमाणु समझौते को लेकर ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगा दिए।

राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता में आने के बाद अमेरिका से बातचीत शुरू हुई तो ईरान की उम्मीद बढ़ी लेकिन लेकिन वियना में एक साल की गहन बातचीत के बाद मार्च में बातचीत बंद हो गई। ऐसे में ईरान की इकॉनमी गिरती चली गई।

- महंगाई पर हो रहे भारी विरोध के कारण ईरान के श्रम, कल्याण और सामाजिक मामलों के मंत्री होज्जतुल्ला अब्दुलमालकी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।
- ईरान की मुद्रा रियाल की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर गिर गई
- सरकारी कर्मचारी व पैंशनभोगी लोग सड़कों पर उतरकर सरकार का जोरदार विरोध कर रहे हैं।

'मंकीपॉक्स बीमारी का नाम बदलें'

जिनेवा, 15 जून (वार्ता)। दुनिया में तेजी से फैलते मंकीपॉक्स वायरस को कुछ वैज्ञानिकों के स्टिगमाटाइजिंग (कलंकित किया जाना या किसी को दोषारोपण करना) कहे जाने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी अब महामारी का नाम बदलने का फैसला किया है।

'न्यूयॉर्क पोस्ट' ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयियस ने कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया भर के अपने सहयोगियों और विशेषज्ञों के साथ मंकीपॉक्स वायरस का नाम बदलने के काम में जुटा हुआ है। हम जितनी जल्दी हो सके नए नाम की घोषणा करेंगे।

दरअसल, 30 अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों से मिले एक पत्र के बाद डब्ल्यूएचओ ने यह कदम उठाया है। पत्र में नाम को तत्काल रूप से बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। पत्र में लिखा गया, निरंतर बातचीत और मुद्दे पर लगातार विचार-विमर्श करने के बाद यह जरूरी समझा जा रहा है कि हम इसे भेदभाव रहित और गैर कलंकित नाम दें।

इसमें कहा गया, वायरस का नाम बार-बार अफ्रीका से जोड़ा जा रहा है और इसका नामकरण अफ्रीकी पृष्ठभूमि की तर्ज पर होना बिल्कुल गलत है, यह भेदभाव और किसी को कलंकित करना दिखाता है। मीडिया में भी वायरस से संबंधित जितनी भी तस्वीरें हैं, उनमें से अधिकतर में अफ्रीकी नजर आ रहे हैं।

फर्जी मैडिकल रिपोर्ट

जयपुर, 15 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मारपीट से जुड़े एक प्रकरण में पुलिस और मैडिकल ऑफिसर की मिलीभगत से दो मैडिकल रिपोर्ट देने और पहली रिपोर्ट में चोट को गंभीर बताने और दूसरी में जानलेवा बताने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने करौली जिला कलैक्टर से कहा है कि वह मामले में आरएएस स्तर के अधिकारी से जांच कराए। जांच अधिकारी पता लगाए कि किन हालातों में पुलिस ने मैडिकल ऑफिसर से राय मांगी और मैडिकल ऑफिसर ने अलग रिपोर्ट क्यों दी। अदालत ने मामले की जांच 60 दिन में पूरी करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि यदि मामले में भ्रष्टाचार हुआ है तो वह सबके सामने आना चाहिए। जस्टिस फरजंद अली ने यह आदेश भरत सिंह व दो अन्य की जमानत याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिए।

- अदालत ने पुलिस द्वारा मारपीट के मामले में दो अलग-अलग मैडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर गंभीर प्रतिक्रिया की।
- अदालत को संदेह है कि, फर्जी मैडिकल रिपोर्ट की बिसात पर परिवादी पर जानलेवा हमला करने का मामला बनाया जा रहा है। इसलिए अदालत ने जिला कलैक्टर को आदेश दिए कि वो वरिष्ठ आर.ए.एस. अफसरों के साथ मिलकर मामले की जांच करायें।

जमानत याचिकाओं में कहा गया कि उन्हें प्रकरण में फंसाया गया है। मामला केवल मारपीट से जुड़ा है, लेकिन पुलिस ने मैडिकल ऑफिसर की दूसरी रिपोर्ट के आधार पर जानलेवा हमले की धारा जोड़ी है। मामले में तीन आरोपी पहले से जमानत पर बाहर हैं। ऐसे में उन्हें भी जमानत पर रिहा किया जाए। वहीं राजकीय अधिवक्ता शेरसिंह महला ने कहा कि पुलिस व मैडिकल विभाग ने मिलीभगत की है।

पहली मैडिकल रिपोर्ट 31 दिसंबर 2021 की है, जिसमें अंगुली की चोट को गंभीर बताया है। वहीं 18 जनवरी 2022 को पुलिस के आग्रह पर मैडिकल ऑफिसर ने उसी चोट को जानलेवा बताया है। याचिकाओं में कहा गया कि मामले में भ्रष्टाचार हुआ है और इसकी जांच होनी चाहिए।

गौरतलब है कि करौली जिले के मासलपुर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ पहले मारपीट का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने मैडिकल ऑफिसर की दूसरी रिपोर्ट के आधार पर जानलेवा हमले की धारा जोड़ दी।

ममता बनर्जी द्वारा आहूत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एस.) सुप्रीमो एवं राज्य के मुख्यमंत्री की राष्ट्रीय प्रभुत्व को लेकर अपनी स्वयं की आकांक्षाएं हैं। अत: उन्होंने आवेशित होकर कहा कि ममता ने शरद पवार के नाम का संकेत देकर एकतरफा कदम उठाया है।

वास्तव में यह पूरी मीटिंग की ही दु:खती रग है क्योंकि कई नेताओं ने बनर्जी द्वारा शरद पवार का नाम, किसी विचार-विमर्श के बिना अचानक उछालने पर आपत्ति जताई। दुर्भाग्य से ममता बनर्जी के इस कदम ने उन्हीं की छवि धूमिल की क्योंकि उनके चयनित व्यक्ति शरद पवार ने स्वयं ही उनका ऑफर ठुकरा दिया और बताया जाता है कि इसे ठुकराते हुए उन्होंने कहा कि वह एक हारी हुई लड़ाई लड़ने के इच्छुक नहीं हैं।

आम आदमी पार्टी जो अब पंजाब और दिल्ली, दोनों में सत्तारूढ़ है, उम्मीद के अनुसार एक बार फिर मीटिंग से दूर रही। दूसरी पार्टियों के विधायकों को तोड़कर अपनी पार्टी मजबूत करने की ममता की शैली को लेकर उनके घोर आलोचक आप पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अन्य राज्य स्तरीय चुनावों के लिए ममता से विचार-विमर्श करने के विचार को झिड़क दिया। आप ने कहा कि सुझाए गए नामों को देखने के बाद ही वह अपना स्टैण्ड फाइनल करेगी और निर्णय लेगी। इस प्रकार से वह बनर्जी के नेतृत्व वाली विचार-विमर्श मशीनरी से दूर रहेगी।

यहां तक कि भाजपा के पूर्व सहयोगी अकाली दल ने भी बाद में दूरी बना ली। उसने मीटिंग में भाग नहीं लिया। शीर्ष स्तर पर भाग लेने की बात तो छोड़िए उसने मीटिंग में अपना प्रतिनिधि भेजने तक पर विचार नहीं किया।

इसी तरह से, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन मीटिंग से दूर रहे और उन्होंने अपने पत्ते नहीं खोले। स्टालिन भी अपना रूतबा कायम करना चाहते हैं और ममता के आगे झुकना नहीं चाहते।

ई.डी. की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजबूत केस है जिसमें कई अनियमितताएं हैं। कांग्रेस गांधी परिवार को पीड़ित बनाकर प्रस्तुत करना चाहती है पर पार्टी ने दिल्ली की सड़कों पर जो तमाशा फैला रखा है वह गांधी परिवार को भारी भी पड़ सकता है। कोविड ग्रस्त होने के बाद से सोनिया गांधी अभी भी हॉस्पीटर में है। ई.डी. ने उन्हें 23 जून को बुलाया है। यह समय ही बताएगा कि क्या वे जा पाऐगी और ई.डी. की कठोर पूछताछ को सहन कर पाएंगी।

ई.डी. के अफसरों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व उनकी मां के विरूद्ध मनी लॉण्डरिंग केस बनाने के लिए गढ़े गए हैं। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को भी पुलिस ने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से बाहर से उठा लिया और गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी मुख्यालय में भारी पुलिस बल देखा था जो कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट कर रहा था। उन्होंने कहा पुलिस उन्हें पार्टी कार्यालय में घुसने से कैसे रोक सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908